पाठ – 1
मानव भूगोल : प्रकृति एवं विषय क्षेत्र

बहुविकल्पीय प्रश्न

Q1. नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए।

(i) निम्नलिखित कथनों में से कौन सा एक भूगोल का वर्णन नहीं करता?
(a) समाकलानात्मक अनुशासन
(b) मानव और पर्यावरण के बीच अंतर-संबंधों का अध्ययन
(c) द्वैधता पर आश्रित
(d) प्रौद्योगिकी के विकास के फलस्वरूप आधुनिक समय में प्रासंगिक नहीं
उत्तर: (d) प्रौद्योगिकी के विकास के फलस्वरूप आधुनिक समय में प्रासंगिक नहीं

(ii) निम्नलिखित में से कौन सा भौगोलिक सूचना का स्रोत नहीं है?
(a) यात्रियों के विवरण
(b) प्राचीन मानचित्र
(c) चंद्रमा से चट्टानी पदार्थों के नमूने
(d) प्राचीन महाकाव्य
उत्तर: (c) चंद्रमा से चट्टानी पदार्थों के नमूने

(iii) निम्नलिखित में कौन सा एक लोगों और पर्यावरण के बीच अन्योन्यक्रिया का सवार्धिक महत्वपूर्ण कारक है?
(a) मानव बुद्धिमता
(b) लोगों के अनुभव
(c) प्रौद्योगिकी
(d) मानव भाईचारा
उत्तर: (c) प्रौद्योगिकी

(iv) निम्नलिखित में से कौन सा एक मानव भूगोल का उपगमन नहीं है?
(a) क्षेत्रीय विभिन्नता
(b) मात्रात्मक क्रांति
(c) स्थानिक संगठन
(d) अन्वेषण और वर्णन
उत्तर: (b) मात्रात्मक क्रांति

लघु उत्तरीय प्रश्न

Q2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दें।

(i) मानव भूगोल को परिभाषित करें।

उत्तर: (i) मानव भूगोल मानव पर्यावरण द्वारा निर्मित भौतिक पर्यावरण और समाजशास्त्रीय वातावरण के बीच के अंतर-संबंधों का अध्ययन करता है, जो एक दूसरे के साथ पारस्परिक बातचीत के माध्यम से होता है। रतज़ेल के अनुसार, "मानव भूगोल मानव समाजों और पृथ्वी की सतह के बीच संबंधों का कृत्रिम अध्ययन है"।पॉल विडाल डे ला ब्लाचे ने इसे परिभाषित किया, "गर्भाधान हमारी पृथ्वी को नियंत्रित करने वाले भौतिक कानूनों के एक अधिक सिंथेटिक ज्ञान और जीवित प्राणियों के बीच संबंधों के परिणामस्वरूप होता है जो इसे निवास करते हैं। " एलेन सी सेमी ने इसे परिभाषित किया "मानव भूगोल, अस्थिर मनुष्य और अस्थिर पृथ्वी के बीच बदलते संबंधों का अध्ययन है।

(ii) मानव भूगोल के कुछ उपक्षेत्रों का नाम बताइए

(ii) मानव भूगोल के विभिन्न उपक्षेत्र हैं: -सामाजिक भूगोल, शहरी भूगोल (नगरीय भूगोल)राजनीतिक भूगोल, जनसंख्या भूगोलस्थापन भूगोल (आवास भूगोल)आर्थिक भूगोल

(iii) मानव भूगोल अन्य सामाजिक विज्ञानों से किस प्रकार संबंधित है?

(iii) मानव भूगोल मानव जीवन के सभी तत्वों और उनके द्वारा होने वाले स्थान के बीच संबंधों को समझाने का प्रयास करता है। इस प्रकार, मानव भूगोल एक उच्च अंतःविषय प्रकृति मानता है। यह पृथ्वी की सतह पर मानव तत्वों को समझने और समझाने के लिए सामाजिक विज्ञान में अन्य सह विषयों के साथ घनिष्ठ संबंध विकसित करता है। परिणामस्वरूप विभिन्न सामाजिक विज्ञान क्षेत्र जैसे समाजशास्त्र, नृविज्ञान, मनोविज्ञान, शहरी नियोजन, राजनीति विज्ञान, संसाधन अर्थशास्त्र, कृषि विज्ञान भूगोल के साथ समग्र रूप से परस्पर जुड़े हुए हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

Q3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 150 से अधिक शब्दों में दें|

(i) मानव के प्राकृतिकरण की व्याख्या कीजिये|

उत्तर : (i) इंसान तकनीक की मदद से अपने भौतिक वातावरण के साथ जुड़ता है। यह महत्वपूर्ण नहीं है कि मनुष्य क्या उत्पादन और सृजन करता है बल्कि यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि वह 'किस उपकरण और तकनीक की सहायता से उत्पादन और निर्माण करता है'। तकनीक के विकास के लिए प्रकृति के बारे में ज्ञान होना बेहद महत्वपूर्ण है। मानव तकनीक का विकास करने में तब ही सक्षम थे जब वो प्राकृतिक कानूनों की बेहतर समझ विकसित कर लें । प्राकृतिक वातावरण के साथ जुड़ने के शुरुआती चरणों में मनुष्य इससे बहुत प्रभावित हुए। वे तब प्रकृति के अनुकूल रहे क्योंकि तकनीक का स्तर बहुत कम था और मानव सामाजिक विकास का शुरूआती चरण था। बहुत कम तकनीकी विकास के उस चरण में, एक प्राकृतिक मानव की उपस्थिति रही, जो प्रकृति की बात सुनता था, उसके रोष से डरता था और उसकी पूजा करता था। इस आर्थिक रूप से आदिम समाज में, प्रकृति एक शक्तिशाली ताकत है, जिसकी पूजा, श्रद्धा और संरक्षण होता है। उन संसाधनों के लिए प्रकृति पर मानव की प्रत्यक्ष निर्भरता है जो मानव के

रहने के लिए आवश्यक हैं। ऐसे समाजों के लिए भौतिक वातावरण "प्रकृति माँ" बन जाता है| इस प्रकार मनुष्यों का प्राकृतिककरण हुआ, जो अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में जारवास, शम्पेन्स जैसी जनजातियों में देखा जा सकता है जो शिकार करना और जमा करना और कृषि को स्थानांतरित करते हैं।

(ii) मानव भूगोल के विषय क्षेत्र पर एक टिपण्णी लिखिए|

उत्तर : (ii) प्रत्येक सामाजिक विज्ञान का अपना दर्शन, कार्यप्रणाली और सीमा है। भूगोल कई मूर्त और अमूर्त प्राकृतिक और मानव निर्मित घटनाओं की जाँच करता है। मानव के अपने निवास स्थान और पर्यावरण से सम्बन्ध के अध्ययन पर मानवीय भूगोल ज़ोर देता है| समाजों के स्थानिक वितरण से निपटना, मानव भूगोल का बहुत बड़ा दायरा है। यह मानव जातियों के अध्ययन को बढ़ावा देता है; जनसंख्या की वृद्धि, वितरण और घनत्व, उनके जनसांख्यिकीय गुण और प्रवासन स्वरुप; और मानव समूहों के बीच शारीरिक और सांस्कृतिक अंतर। मानव भूगोल मानव की संस्कृति, भाषा, धर्म, रीति-रिवाजों और परंपराओं को भी ध्यान में रखता है; ग्रामीण बस्तियों और शहरी बस्तियों के प्रकार और स्वरुप; और शहरों का कार्यात्मक वर्गीकरण। भौतिक वातावरण से प्रभावित आर्थिक गतिविधियों, उद्योगों, व्यापार और परिवहन और संचार के स्थानिक वितरण का अध्ययन भी मानव भूगोल के महत्वपूर्ण विषय हैं। पर्यावरण पर मनुष्य का प्रभाव भी महत्व का विषय है, उदाहरण के लिए दुनिया में चल रही जलवायु परिवर्तन वार्ता और मानव गतिविधि के कारण ओजोन की कमी को मानव भूगोल के हिस्से के रूप में अध्ययन किया जाता है| भूमध्य, गर्म रेगिस्तान और टुंड्रा जैसे ठेठ भौगोलिक क्षेत्रों में मनुष्य के भौतिक वातावरण में समायोजन मानव भूगोल के लिए प्रासंगिकता है क्योंकि यह मानव समाजों और उनके प्राकृतिक पर्यावरण के बीच सहजीवी संबंध को समझने में मदद करता है। मानव भूगोल सभी सामाजिक विज्ञानों के लिए एकीकरण प्रदान करता है, उनको आवश्यक स्थानिक, लौकिक और सिस्टम के दृष्टिकोण प्रदान करता है जिनका उनके पास अभाव होता है। इसलिए, मानव भूगोल का हमारा अध्ययन हमे सूचित नागरिक बनने में मदद कर सकता है, हमारे समुदायों और देशों के महत्वपूर्ण मुद्दों को ज्यादा समझ सकता है और उनके समाधान में योगदान के लिए बेहतर हो सकता है।